

---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

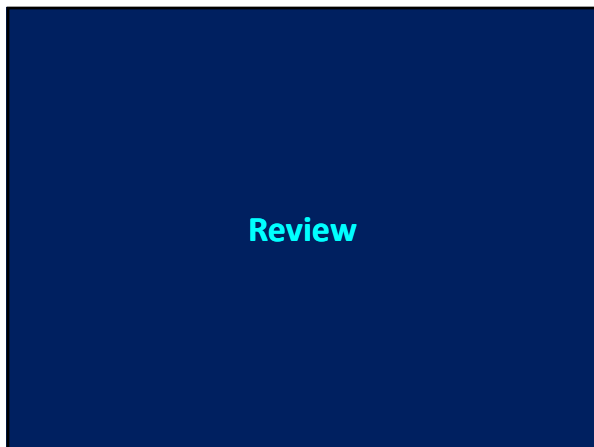
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---

### Answering Eight Questions

- 1) Who wrote it? – Paul
- 2) Who was it written to? – Roman Believers
- 3) Where was it written from? – Corinth
- 4) When was it written? – A.D. 57
- 5) Why was it written? – Doctrinal Foundation
- 6) What is inside? – 7 Part Outline
- 7) What is it about? – Righteousness
- 8) What makes the book different? – Theological formality



---

---

---

---

---

---

---

---

### Structure

- I. Salutation (1:1-17)
- II. Sin (1:18-3:20)
- III. Salvation (3:21-5:21)
- IV. Sanctification (6-8)
- V. **Sovereignty (9-11)**
- VI. Service (12:1-15:13)
- VII. Summation (15:14-16:27)



---

---

---

---

---

---

---

---

Romans 8:29-30  
29 For those whom He foreknew, He also **predestined** to become conformed to the image of His Son, so that He would be the firstborn among many brethren; 30 and these whom He predestined, He also called; and these whom He **called**, He also justified; and these whom He **justified**, He also **glorified**.

Where's **sanctification**?

---

---

---

---

---

---

---

---

# ROMANS 9-11

## THEME

*How can God be trusted to be faithful to us if He has been unfaithful to Israel?*

---

---

---

---

---

---

---

---

### Sovereignty (Rom 9–11)

- Israel in the past: Elected (Rom 9)
- Israel in the present: Rejected (Rom 10)
- Israel in the future: Accepted (Rom 11)



---

---

---

---

---

---

---

---

### Romans 10

- I. Israel pursued righteousness by Law rather than by faith (10:1-4)
- II. Israel ignored the teaching that righteousness is by faith rather than works (10:5-13)
- III. Israel refused many opportunities to accept God's righteousness by faith (10:14-21)



---

---

---

---

---

---

---

---

## Sovereignty (Rom 9–11)

- Israel in the past: Elected (Rom 9)
- Israel in the present: Rejected (Rom 10)
- Israel in the future: Accepted (Rom 11)



---

---

---

---

---

---

---

---

## Romans 11

- I. Israel's rejection is not total (1-10)
- II. God used Israel's rejection to bless the Gentiles (11-15)
- III. Israel's covenants guarantee her future restoration (16-24)
- IV. Israel's certain restoration (25-32)
- V. Concluding doxology (33-36)



---

---

---

---

---

---

---

---

## Romans 11

- I. Israel's rejection is not total (1-10)
- II. God used Israel's rejection to bless the Gentiles (11-15)
- III. Israel's covenants guarantee her future restoration (16-24)
- IV. Israel's certain restoration (25-32)
- V. Concluding doxology (33-36)



---

---

---

---

---

---

---

---

**I. Israel's Rejection is not Total  
(Rom 11:1-10)**

**A. Paul as an example (1)**



**B. Existence of the remnant  
(2-10)**

**1. Elijah's day (2-4)**

**2. Present day (5-10)**

---

---

---

---

---

---

---

---

**The Principle of Remnant**

*Seen in Paul*

*Seen in Elijah's experience*

*Seen today!*

---

---

---

---

---

---

---

---

**Romans 11**

**I. Israel's rejection is not total (1-10)**

**II. God used Israel's rejection to bless the  
Gentiles (11-15)**

**III. Israel's covenants guarantee her future  
restoration (16-24)**

**IV. Israel's certain restoration (25-32)**

**V. Concluding doxology (33-36)**



---

---

---

---

---

---

---

---

**II. God Used Israel's Rejection to Bless the Gentiles (Rom 11:11-15)**

- A.** Introduction (11a-b)
- B.** God used something negative for something good (11c-12)
- C.** Paul's ministry to the Gentiles (13-14)
- D.** Israel's reconciliation will bless the Gentiles further (15)



---

---

---

---

---

---

---

---

**II. God Used Israel's Rejection to Bless the Gentiles (Rom 11:11-15)**

- A.** Introduction (11a-b)
- B.** God used something negative for something good (11c-12)
- C.** Paul's ministry to the Gentiles (13-14)
- D.** Israel's reconciliation will bless the Gentiles further (15)



---

---

---

---

---

---

---

---

**II. God Used Israel's Rejection to Bless the Gentiles (Rom 11:11-15)**

- A.** Introduction (11a-b)
- B.** God used something negative for something good (11c-12)
- C.** Paul's ministry to the Gentiles (13-14)
- D.** Israel's reconciliation will bless the Gentiles further (15)



---

---

---

---

---

---

---

---

**II. God Used Israel's Rejection to Bless the Gentiles (Rom 11:11-15)**

- A.** Introduction (11a-b)
- B.** God used something negative for something good (11c-12)
- C.** Paul's ministry to the Gentiles (13-14)
- D.** Israel's reconciliation will bless the Gentiles further (15)



---

---

---

---

---

---

---

---

**II. God Used Israel's Rejection to Bless the Gentiles (Rom 11:11-15)**

- A.** Introduction (11a-b)
- B.** God used something negative for something good (11c-12)
- C.** Paul's ministry to the Gentiles (13-14)
- D.** Israel's reconciliation will bless the Gentiles further (15)



---

---

---

---

---

---

---

---

**Romans 11**

- I.** Israel's rejection is not total (1-10)
- II.** God used Israel's rejection to bless the Gentiles (11-15)
- III.** Israel's covenants guarantee her future restoration (16-24)
- IV.** Israel's certain restoration (25-32)
- V.** Concluding doxology (33-36)



---

---

---

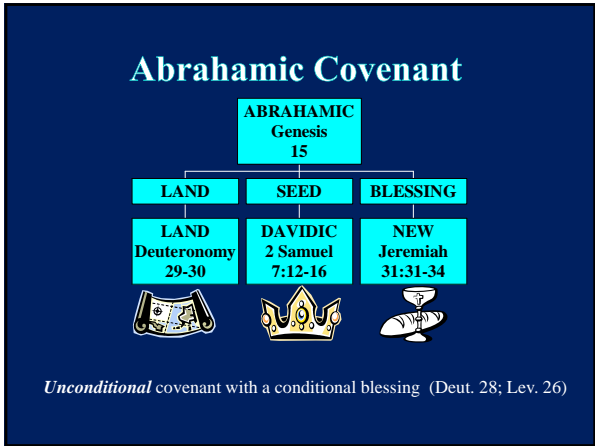
---

---

---

---

---




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

### III. Israel's Covenants Guarantee her Future Restoration (Rom 11:16-24)

- A.** First piece and lump of dough (16a)
- B.** Root and branches of a generic tree (16b)
- C.** Natural and unnatural branches of an olive tree (17-24)



---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

### III. Israel's Covenants Guarantee her Future Restoration (Rom 11:16-24)

- A.** First piece and lump of dough (16a)
- B.** Root and branches of a generic tree (16b)
- C.** Natural and unnatural branches of an olive tree (17-24)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



III. Israel's Covenants Guarantee her Future Restoration (Rom 11:16-24)

- A. First piece and lump of dough (16a)
- B. Root and branches of a generic tree (16b)
- C. Natural and unnatural branches of an olive tree (17-24)




---

---

---

---

---

---

---

---

III. Israel's Covenants Guarantee her Future Restoration (Rom 11:16-24)

- A. First piece and lump of dough (16a)
- B. Root and branches of a generic tree (16b)
- C. Natural and unnatural branches of an olive tree (17-24)




---

---

---

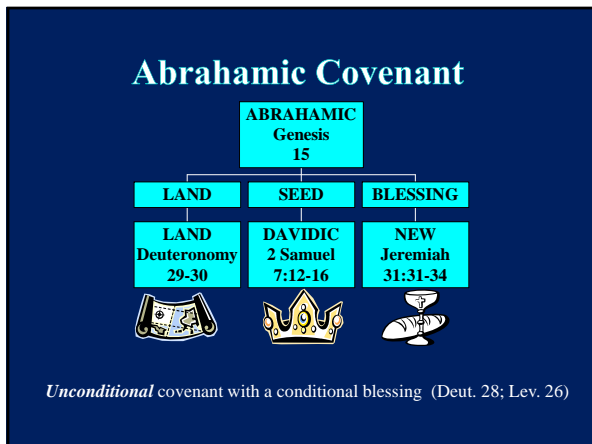
---

---

---

---

---




---

---

---

---

---

---

---

---

C. Olive Tree (Rom 11:16-24)

1. Warning against Gentile  
Pride (17-22)



2. Anticipation of Jewish  
Salvation (23-24)

---

---

---

---

---

---

---

---

C. Olive Tree (Rom 11:16-24)

1. Warning against Gentile  
Pride (17-22)



2. Anticipation of Jewish  
Salvation (23-24)

---

---

---

---

---

---

---

---

1. Warning Against Gentile Pride (17-22)

a. Fact of Gentile Inclusion  
(17)

b. Warning against Gentile  
Pride (18)

c. Warning against Gentile  
Misconception (19-21)

d. Conclusion (22)



---

---

---

---

---

---

---

---

### 1. Warning Against Gentile Pride (17-22)

a. Fact of Gentile Inclusion  
(17)



b. Warning against Gentile  
Pride (18)

c. Warning against Gentile  
Misconception (19-21)

d. Conclusion (22)

---

---

---

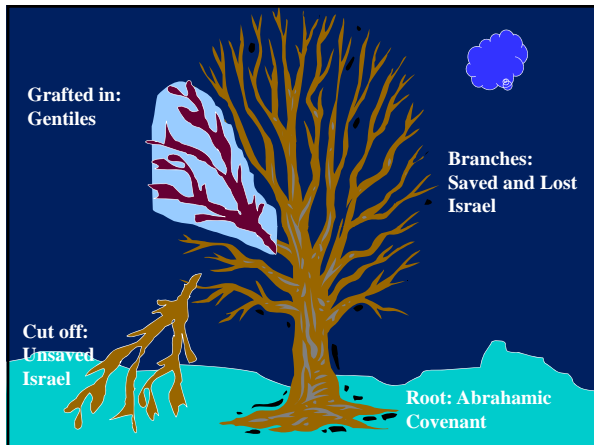
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---

### 1. Warning Against Gentile Pride (17-22)

a. Fact of Gentile Inclusion  
(17)



b. Warning against Gentile  
Pride (18)

c. Warning against Gentile  
Misconception (19-21)

d. Conclusion (22)

---

---

---

---

---

---

---

---

1. Warning Against Gentile Pride (17-22)

- a. Fact of Gentile Inclusion (17)
- b. Warning against Gentile Pride (18)
- c. Warning against Gentile Misconception (19-21)
- d. Conclusion (22)



---

---

---

---

---

---

---

---

Romans 8:29-30

29 For those whom He foreknew, He also predestined to become conformed to the image of His Son, so that He would be the firstborn among many brethren; 30 and these whom He predestined, He also called; and these whom He called, He also justified; and these whom He justified, He also glorified.

Where's sanctification?

---

---

---

---

---

---

---

---

1. Warning Against Gentile Pride (17-22)

- a. Fact of Gentile Inclusion (17)
- b. Warning against Gentile Pride (18)
- c. Warning against Gentile Misconception (19-21)
- d. Conclusion (22)



---

---

---

---

---

---

---

---

C. Olive Tree (Rom 11:16-24)

1. Warning against Gentile  
Pride (17-22)



2. Anticipation of Jewish  
Salvation (23-24)

---

---

---

---

---

---

---

---

2. Anticipation of Jewish Salvation (23-24)

a. Contingency for Israel's  
salvation (23a)



b. Two reasons for Israel's  
restoration (23b-24)

1. God is able (23b)
2. God brought in the  
unnatural branches (24)

---

---

---

---

---

---

---

---

2. Anticipation of Jewish Salvation (23-24)

a. Contingency for Israel's  
salvation (23a)



b. Two reasons for Israel's  
restoration (23b-24)

1. God is able (23b)
2. God brought in the  
unnatural branches (24)

---

---

---

---

---

---

---

---

2. Anticipation of Jewish Salvation (23-24)

a. Contingency for Israel's salvation (23a)



b. Two reasons for Israel's restoration (23b-24)

1. God is able (23b)
2. God brought in the unnatural branches (24)

---

---

---

---

---

---

---

---

2. Anticipation of Jewish Salvation (23-24)

a. Contingency for Israel's salvation (23a)



b. Two reasons for Israel's restoration (23b-24)

1. God is able (23b)
2. God brought in the unnatural branches (24)

---

---

---

---

---

---

---

---

2. Anticipation of Jewish Salvation (23-24)

a. Contingency for Israel's salvation (23a)



b. Two reasons for Israel's restoration (23b-24)

1. God is able (23b)
2. God brought in the unnatural branches (24)

---

---

---

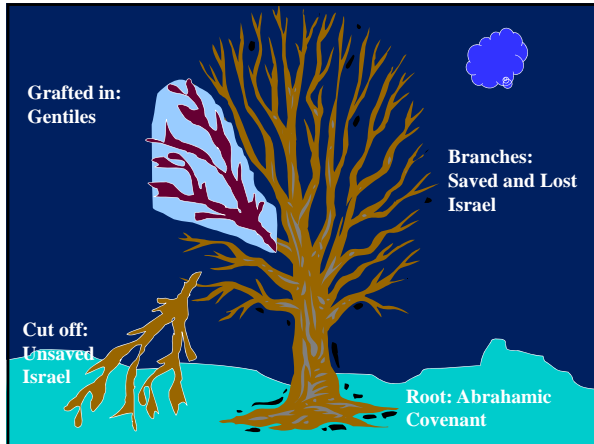
---

---

---

---

---




---

---

---

---

---

---

---

---

Conclusion

---

---

---

---

---

---

---

---

**Romans 11**

- I. Israel's rejection is not total (1-10)
- II. God used Israel's rejection to bless the Gentiles (11-15)
- III. Israel's covenants guarantee her future restoration (16-24)
- IV. Israel's certain restoration (25-32)
- V. Concluding doxology (33-36)




---

---

---

---

---

---

---

---